चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 जुलाई 2026, अंक –317.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

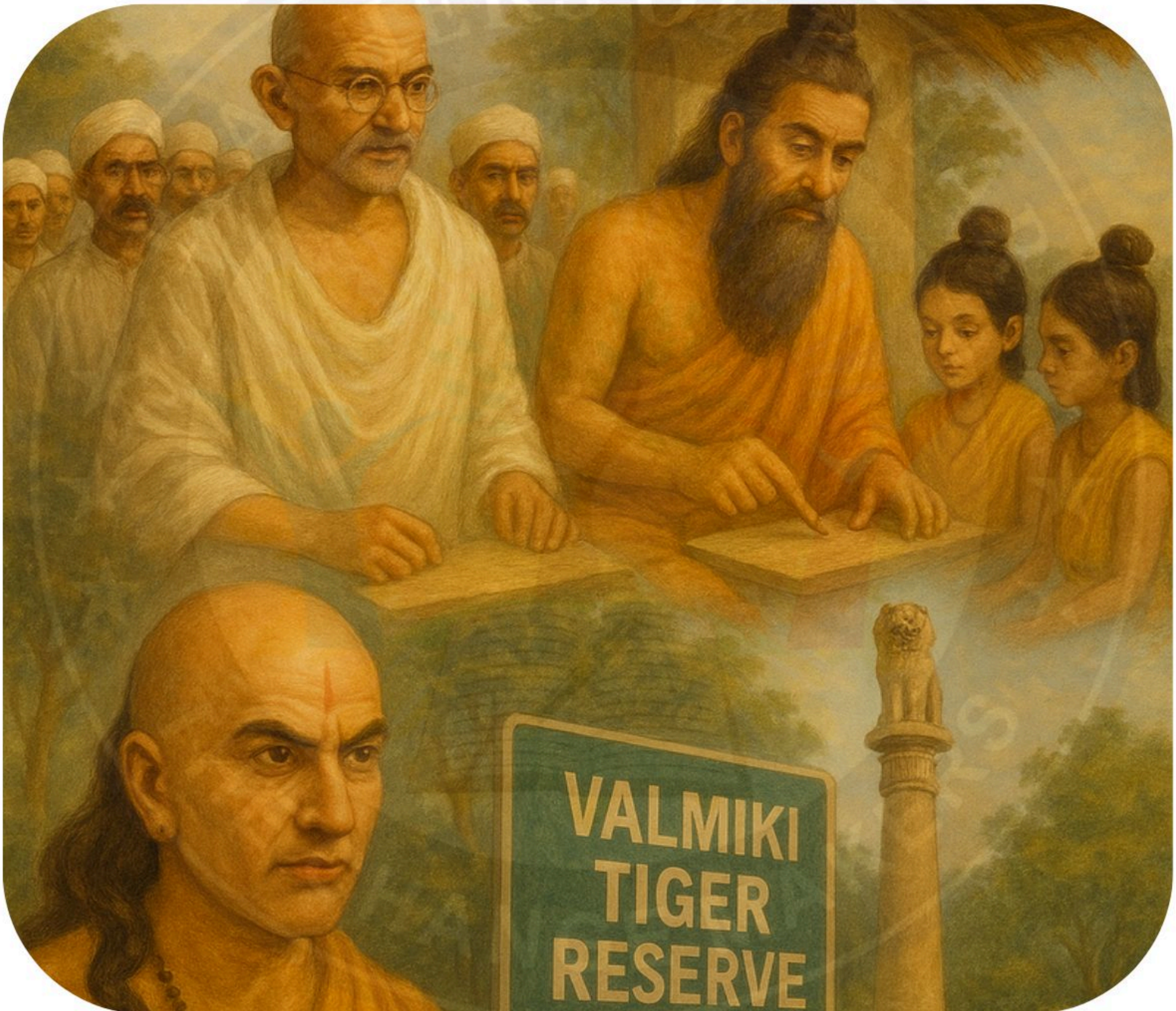

"एक निवेश ज्ञान में सबसे अच्छा ब्याज देता है।"
— बेंजामिन फ्रैंकलिन

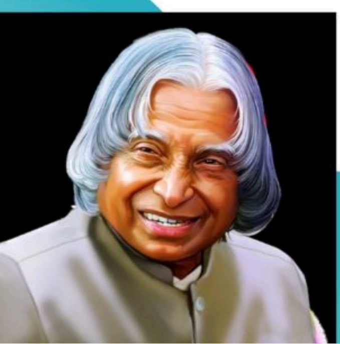

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है..।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है..।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

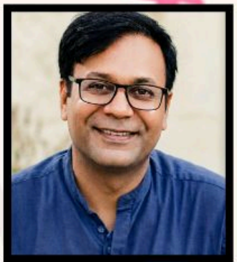

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मिस्र की राजधानी क्या है?
उत्तर: काहिरा
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राज्यपाल कौन थीं?
उत्तर: सरोजिनी नायडू
प्रश्न 3. 'नाटी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 4. 0.75 को सरलतम भिन्न में बदलें।
उत्तर: 3/4
प्रश्न 5. बिहार का 'शहीद स्मारक' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. एक्स-रे की खोज किसने की थी?
उत्तर: विल्हेम रॉन्टगन
प्रश्न 8. भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्य किस भाग में दिए गए हैं?
उत्तर: भाग 4A
प्रश्न 9. 'उन्नति' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अवनति
प्रश्न 10. पौधों में प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक हरे रंग का पदार्थ क्या कहलाता है?
उत्तर: क्लोरोफिल

संकलन:-

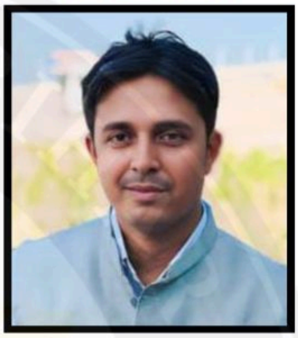

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Sofa – (सोफा) – सोफ़ा
Curtain Rod – (कर्टन रॉड) – पर्दे की छड़
Cushion – (कुशन) – गद्दी / तकिया
Mattress – (मैट्रेस) – गद्दा
Wardrobe – (वॉर्डरोब) – कपड़ों की अलमारी
Drawer – (ड्रॉअर) – दराज़
Shelf – (शेल्फ) – ताक / अलमारी की पट्टी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – “मैं ... करूँगा/करूँगी” (I will ...)

मैं कल पढ़ूँगा/पढ़ूँगी। – I will study tomorrow.
मैं तुम्हारी मदद करूँगा/करूँगी। – I will help you.
मैं समय पर आऊँगा/आऊँगी। – I will come on time.
मैं अपना काम पूरा करूँगा/करूँगी। – I will finish my work.
मैं अंग्रेज़ी सीखूँगा/सीखूँगी। – I will learn English.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 22 जुलाई को भारत में कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: राष्ट्रीय ध्वज अंगीकरण दिवस (National Flag Adoption Day)
व्याख्या: 22 जुलाई 1947 को भारत की संविधान सभा ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकृत किया — स्वतंत्रता से ठीक 24 दिन पूर्व। पंडित नेहरू ने यह प्रस्ताव रखा था। ध्वज को पिंगली वेंकैया ने डिज़ाइन किया था। इसमें केसरिया (साहस), श्वेत (शांति-सत्य) और हरा (विश्वास-शौर्य) — तीन रंग हैं। मध्य में सम्राट अशोक के "धर्मचक्र" (24 तीलियाँ) को चरखे के स्थान पर रखा गया। राष्ट्रीय ध्वज का अनुपात 3:2 है। इस दिवस को पहले राष्ट्रीय ध्वज दिवस भी कहा जाता है। 22 जुलाई को "पाई अनुमान दिवस" (Pi Approximation Day) भी मनाया जाता है क्योंकि 22÷7 = 3.14 (π का अनुमान)।
संदर्भ: 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज अपनाया। drishtiias.com National Flag Day; Flag Code of India.

प्र.2. 19 जुलाई 2026 को 58वें "अंतरराष्ट्रीय रसायन ओलंपियाड" (IChO 2026) में भारत ने क्या उपलब्धि हासिल की — यह किस देश में हुआ और भारत के चारों स्वर्ण पदक विजेताओं के नाम क्या हैं? (समसामयिक घटना)
उत्तर: चार स्वर्ण पदक — प्रथम स्थान (संयुक्त); ताशकंद, उज्बेकिस्तान; देबदत्त, हर्षित, काबीर, संदीप
व्याख्या: 58वाँ अंतरराष्ट्रीय रसायन ओलंपियाड (IChO 2026) ताशकंद, उज्बेकिस्तान में 10-19 जुलाई 2026 को आयोजित हुआ। भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सभी चार छात्रों को स्वर्ण पदक दिलाए और चीन, वियतनाम एवं रूस (व्यक्तिगत) के साथ संयुक्त प्रथम स्थान प्राप्त किया। चार स्वर्ण विजेता: (1) देबदत्त प्रियदर्शी (ओडिशा), (2) हर्षित सिंगला (पंजाब), (3) काबीर चिल्लर (दिल्ली — JEE Advanced AIR 2), (4) संदीप कुची (तेलंगाना)। IChO में भारत की यह 27 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। इस प्रतियोगिता में 93 देशों के 363 छात्र शामिल हुए। HBCSE (होमी भाभा केंद्र, मुंबई) भारत की प्रतिभागिता का संयोजन करता है।
संदर्भ: ibgnews.com IChO 2026, 19 July 2026;

प्र.3. "आनंद मठ" उपन्यास किसने लिखा और राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" किस अध्याय से लिया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय; उपन्यास के द्वितीय अध्याय से
व्याख्या: "आनंदमठ" (1882) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की एक ऐतिहासिक उपन्यास-रचना है जो 18वीं शताब्दी में बंगाल में हुए "संन्यासी विद्रोह" पर आधारित है। इसी उपन्यास के द्वितीय अध्याय में "वंदे मातरम्" गीत पहली बार प्रकाशित हुआ जो भारत का राष्ट्रगीत बना। 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार गाया था। 1950 में "वंदे मातरम्" को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया। इसे संगीत देने का श्रेय रवींद्रनाथ टैगोर को है। राष्ट्रगान "जन गण मन" टैगोर द्वारा रचित है जबकि राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" बंकिमचंद्र द्वारा।
संदर्भ: बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय — "आनंदमठ", 1882; NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 14

प्र.4. "भूमि क्षरण" (Soil Erosion) के मुख्य कारण क्या हैं और NCERT के अनुसार इसे रोकने के क्या उपाय हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: वनोन्मूलन, अतिचारण, अनुचित जुताई; वनीकरण, सीढ़ीदार खेती, पट्टीदार खेती
व्याख्या: भूमि क्षरण (Soil Erosion) वह प्रक्रिया है जिसमें ऊपरी उपजाऊ मिट्टी की परत वर्षा, बाढ़ या वायु के कारण बह जाती है। NCERT के अनुसार प्रमुख कारण हैं: (1) वनोन्मूलन (Deforestation) — पेड़-पौधे मिट्टी को बाँधते हैं, इनके हटने से मिट्टी कटती है; (2) अत्यधिक चराई (Overgrazing) — पशुओं द्वारा वनस्पति नष्ट होने पर; (3) अनुचित जुताई — ढाल की दिशा में जुताई से वर्षाजल मिट्टी बहा ले जाता है। रोकथाम के उपाय: वनीकरण (Afforestation), सीढ़ीदार खेती (Contour/Terrace Farming), पट्टीदार खेती (Strip Farming), वायु-रोधक वृक्ष (Shelter Belts), और जल प्रबंधन। राजस्थान में वायु अपरदन और उत्तर बिहार में जल अपरदन गंभीर समस्या है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 1 Resources and Development — Soil Erosion and Conservation, p. 12–14

प्र.5. "चालुक्य वंश" के सबसे प्रतापी राजा "पुलकेशिन द्वितीय" ने किस मुगल-पूर्व सम्राट को पराजित किया था और यह किस नदी के तट पर हुआ? (इतिहास)
उत्तर: हर्षवर्धन; नर्मदा नदी
व्याख्या: चालुक्य वंश के महान शासक "पुलकेशिन द्वितीय" (610-642 ई.) ने उत्तर भारत के सम्राट हर्षवर्धन (606-647 ई.) को नर्मदा नदी के तट पर युद्ध में पराजित किया। यह घटना लगभग 618-619 ई. की मानी जाती है। हर्षवर्धन उस समय तक अजेय थे और दक्षिण भारत पर आधिपत्य स्थापित करना चाहते थे। इस युद्ध ने नर्मदा को उत्तर और दक्षिण भारत की ऐतिहासिक सीमा के रूप में स्थापित किया। पुलकेशिन के दरबार में चीनी यात्री ह्वेनसांग और राजदूत ह्वाबाओ आए थे। ऐहोल अभिलेख में पुलकेशिन के इस विजय का वर्णन है।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 10 New Empires and Kingdoms, p. 119–122

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारतीय उपमहाद्वीप" में "डेल्टा क्षेत्रों" के बनने की प्रक्रिया क्या है और गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा क्यों विशेष महत्वपूर्ण है? (भूगोल)
उत्तर: नदी के मुहाने पर अवसाद जमाव; विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा (सुंदरबन)
व्याख्या: जब कोई नदी समुद्र में मिलते समय अपनी गति धीमी पड़ने पर अपने साथ लाई मिट्टी, रेत और गाद (Sediment) जमा करती है तो त्रिभुजाकार भू-भाग बनता है जिसे "डेल्टा" कहते हैं। गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा (सुंदरबन) विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा है जो भारत (पश्चिम बंगाल) और बांग्लादेश में लगभग 80,000 वर्ग किमी में फैला है। यहाँ बंगाल टाइगर, इरावदी डॉल्फिन और अनेक दुर्लभ प्रजातियाँ पाई जाती हैं। UNESCO ने इसे विश्व धरोहर घोषित किया है। गोदावरी, कृष्णा, कावेरी आदि नदियाँ भी पूर्वी तट पर डेल्टा बनाती हैं। डेल्टाई मिट्टी अत्यंत उपजाऊ होती है — यही कारण है कि भारत के डेल्टा क्षेत्र कृषि-समृद्ध हैं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 27–29;

प्र.7. भारतीय संविधान की "प्रस्तावना" (Preamble) में "धर्मनिरपेक्ष" (Secular) और "समाजवादी" (Socialist) शब्द किस संशोधन द्वारा जोड़े गए और किस वाद में इन्हें "मूल संरचना" का भाग नहीं माना गया? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: 42वाँ संविधान संशोधन (1976); एस.आर. बोम्मई वाद (1994)
व्याख्या: 1976 में आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" तथा "राष्ट्र की अखंडता" — तीन शब्द जोड़े गए। इससे पूर्व प्रस्तावना में "प्रभुसत्ता-सम्पन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य" था। "एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994)" वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने "धर्मनिरपेक्षता" को संविधान की मूल संरचना का भाग माना। लेकिन 2024 में एक याचिका में सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द 42वें संशोधन द्वारा जोड़े गए — मूल संविधान में नहीं थे। प्रस्तावना को "संविधान की कुंजी" (Key to the Constitution) कहा जाता है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 1, p. 8–10;

प्र.8. "वाष्पोत्सर्जन" (Transpiration) क्या है, यह पौधों के लिए क्यों आवश्यक है और इसका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है? (विज्ञान)
उत्तर: पत्तियों से जलवाष्प निकास; जल परिवहन और तापनियंत्रण; वर्षा-चक्र में योगदान
व्याख्या: वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) वह प्रक्रिया है जिसमें पौधों की पत्तियों पर स्थित "रंध्रों" (Stomata) से जलवाष्प वायुमंडल में निकलती है। यह प्रक्रिया दिन में प्रकाश संश्लेषण के दौरान सर्वाधिक होती है। पौधों के लिए महत्व: (1) जड़ों से जल ऊपर खींचने में "वाष्पोत्सर्जन खिंचाव" (Transpiration Pull) सहायक होता है; (2) पत्तियों को अत्यधिक गर्म होने से बचाता है। पर्यावरण पर प्रभाव: वाष्पोत्सर्जन से वायुमंडल में आर्द्रता बढ़ती है जो वर्षा-चक्र का आधार है। एक बड़ा वृक्ष प्रतिदिन सैकड़ों लीटर जल वाष्पोत्सर्जित करता है। वनों की कटाई से वाष्पोत्सर्जन कम होने पर वर्षा घटती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 7, Ch 11 Transportation in Animals and Plants, p. 133–136;

प्र.9. "लोक चित्रकला" के अंतर्गत बिहार की "मंजूषा चित्रकला" (Manjusha Painting) किस जिले से संबंधित है और यह किस लोककथा पर आधारित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: भागलपुर; "बिहुला-विषहरी" और "मनसा देवी" लोककथा
व्याख्या: "मंजूषा चित्रकला" (Manjusha Painting) बिहार के भागलपुर जिले की एक विशिष्ट लोक-चित्र परंपरा है जो अंग प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। यह सर्प देवी मनसा और वीरांगना "बिहुला" की लोककथा पर आधारित है। "मंजूषा" (Manjusha) का अर्थ "बाँस की टोकरी" है — इसी टोकरी पर बिहुला ने अपने मृत पति बाला को लेकर नदी यात्रा की थी। इस चित्रकला में सर्प के आकार, लतिकाएँ, फूल और लोककथा के पात्र प्रमुखता से दर्शाए जाते हैं। भागलपुर में "बिहुला-विषहरी" उत्सव के दौरान यह कला विशेष रूप से बनाई जाती है। इसे GI Tag प्राप्त है।
संदर्भ: Bihar Craft Heritage — SCERT Bihar; GI Registry India — Manjusha Painting;

प्र.10. बिहार में "21वीं बिहार बटालियन" का 46वाँ स्थापना दिवस 20 जुलाई 2026 को कहाँ मनाया गया और यह बटालियन किसके अंतर्गत कार्य करती है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: दानापुर छावनी (पटना); भारतीय सेना — बिहार रेजिमेंट
व्याख्या: 21वीं बिहार बटालियन का 46वाँ स्थापना दिवस 20 जुलाई 2026 को दानापुर छावनी, पटना में बिहार रेजिमेंट सेंटर में मनाया गया। बिहार रेजिमेंट भारतीय सेना की एक प्रतिष्ठित पैदल सेना रेजिमेंट है जिसकी स्थापना 1941 में हुई थी। इसका केंद्र दानापुर (पटना) में स्थित है। 1962 के भारत-चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बिहार रेजिमेंट के जवानों ने असाधारण वीरता दिखाई। "रेज़ांग ला का युद्ध" (1962) में चार्ली कंपनी की वीरता इतिहास में अमर है। बिहार के युवाओं के लिए सेना में भर्ती और देशसेवा का गर्वपूर्ण इतिहास है।
संदर्भ: gktoday.in Current Affairs 20 July 2026

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के पूर्ण माह की समीक्षा करते हुए — जुलाई के चारों सप्ताहों में पढ़ाए गए बाढ़ सुरक्षा के चार मुख्य पाठों को सारांशित करें। (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: W1-पूर्व तैयारी; W2-बाढ़ के दौरान सुरक्षा; W3-स्वास्थ्य सुरक्षा; W4-पुनर्वास

व्याख्या: BSDMA के मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के चार सप्ताहों का सारांश: सप्ताह 1 (W1) — बाढ़ पूर्व तैयारी: दस्तावेज़ सुरक्षित रखना, निकासी मार्ग चिह्नित करना, आपातकालीन किट, रंग-संकेत प्रणाली, अभिभावक संपर्क। सप्ताह 2 (W2) — बाढ़ के दौरान: जल में न चलें, ऊँचाई पर शरण, नाव सुरक्षा, बचाव में रस्सी फेंकना। सप्ताह 3 (W3) — स्वास्थ्य एवं जैव सुरक्षा: जल-जनित रोग, सर्पदंश, बाढ़ भोजन, मनोवैज्ञानिक प्रभाव। सप्ताह 4 (W4) — पुनर्वास: विद्यालय पुनर्प्रवेश जाँच, राहत शिविर प्रबंधन, अभिभावक संचार, मॉक ड्रिल की आवश्यकता। इस प्रकार जुलाई माह का पूरा बाढ़ मॉड्यूल बच्चों और शिक्षकों को जीवन-रक्षक ज्ञान देता है।

संदर्भ: BSDMA Complete Flood Safety Module July W1–W4, Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org

प्र.12. π (Pi) का मान 22/7 से अनुमानित किया जाता है। यदि एक वृत्त की त्रिज्या 7 सेमी है, तो उसकी परिधि और क्षेत्रफल π = 22/7 का उपयोग करके ज्ञात कीजिए। (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: परिधि = 44 सेमी; क्षेत्रफल = 154 वर्ग सेमी

व्याख्या: परिधि (Circumference): $= 2\pi r = 2 \times (22/7) \times 7 = 2 \times 22 = 44$ सेमी। क्षेत्रफल (Area): $= \pi r^2 = (22/7) \times 7 \times 7 = (22/7) \times 49 = 22 \times 7 = 154$ वर्ग सेमी। यहाँ 7 और 22/7 का गुणनफल $7 \times 22/7 = 22$ आता है — इसीलिए त्रिज्या 7 सेमी लेने पर गणना सरल हो जाती है। 22 जुलाई "Pi Approximation Day" है क्योंकि $22 \div 7 \approx 3.14159$ (π का अनुमान)। π की खोज का श्रेय आर्किमिडीज़ (287-212 ईपू) को दिया जाता है। वृत्त की परिधि और क्षेत्रफल के सूत्र BPSC, SSC, Railway सभी परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से पूछे जाते हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 11 Perimeter and Area — Circles, p. 205–210;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण |

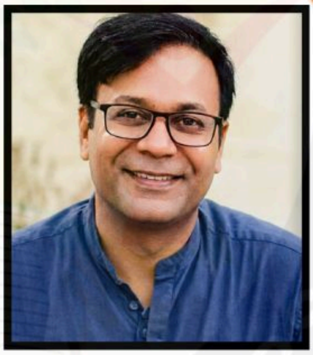

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abysmal (अबिज़मल) = Very Bad (वेरी बैड) = अत्यंत खराब / निम्नस्तरीय

Antonym – Excellent (एक्सलेंट) = उत्कृष्ट

Bucolic (ब्यूकॉलिक) = Rural (रूरल) = ग्रामीण / ग्रामीण जीवन से संबंधित

Antonym – Urban (अर्बन) = शहरी

Conundrum (कनन्ड्रम) = Puzzle (पज़ल) = कठिन समस्या / पहेली

Antonym – Solution (सोल्यूशन) = समाधान

Disparage (डिस्पैरिज) = Belittle (बिलिटल) = तुच्छ समझना / नीचा दिखाना

Antonym – Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना

Egregious (इग्रिजियस) = Outstandingly Bad (आउटस्टैंडिंगली बैड) = अत्यंत बुरा / घोर

Antonym – Admirable (एडमिरेबल) = प्रशंसनीय

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Cyber Shield 2.0' to Safeguard Critical Financial Grids and AI Infrastructures.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने महत्वपूर्ण वित्तीय ग्रिडों और एआई (AI) बुनियादी ढांचों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय साइबर शील्ड 2.0' का अनावरण किया।
संसदीय समीक्षा और बढ़ते वैश्विक साइबर खतरों के जवाब में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक नया साइबर सुरक्षा ढांचा अधिसूचित किया है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य बैंकिंग नेटवर्क, ऊर्जा ग्रिड और सरकारी डेटा केंद्रों में एआई-संचालित रीयल-टाइम थ्रेट डिटेक्शन प्रणालियों को तैनात करना है। नए ढांचे के तहत सभी प्रमुख वित्तीय संस्थानों और डेटा ऑपरेटरों के लिए नियमित सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Circular Economy Index 2026', Ranking States on E-Waste Recycling and Industrial Resource Recovery.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें ई-कचरा रीसाइक्लिंग और औद्योगिक संसाधन पुनर्प्राप्ति पर राज्यों की रैंकिंग की गई।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने औद्योगिक कचरे और ई-अपशिष्ट के प्रभावी पुनर्चक्रण के मामले में देश भर में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस सूचकांक में राज्यों का मूल्यांकन अपशिष्ट प्रबंधन नीतियों, रीसाइक्लिंग क्षमता और हरित उद्योगों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि के आधार पर किया गया है।

English Headline: ISRO and CSIR Jointly Develop Advanced Indigenous Carbon-Composite Components for Next-Generation Launch Vehicles.
हिन्दी अनुवाद: इसरो और सीएसआईआर (CSIR) ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण वाहनों के लिए संयुक्त रूप से उन्नत स्वदेशी कार्बन-कंपोजिट घटकों का निर्माण किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं (CSIR-NAL) ने अंतरिक्ष वाहनों का वजन कम करने और उनकी पेलोड क्षमता बढ़ाने के लिए एक बड़ी सफलता हासिल की है। ये हल्के और उच्च-तापीय प्रतिरोध वाले स्वदेशी कार्बन-कंपोजिट तत्व भविष्य के भारी पेलोड मिशनों की लागत में उल्लेखनीय कमी लाएंगे।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations Security Council (UNSC) Adopts Resolution on Establishing Standardized Ethical Guidelines for Space Resource Extraction.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ने अंतरिक्ष संसाधन निष्कर्षण के लिए मानकीकृत नैतिक दिशानिर्देश स्थापित करने पर एक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने चंद्रमा और क्षुद्रग्रहों (Asteroids) पर खनिजों के खनन और अनुसंधान गतिविधियों को विनियमित करने के लिए एक वैश्विक कानूनी ढांचा अपनाने पर सहमति व्यक्त की। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करना और किसी भी राष्ट्र के एकाधिकार को रोकना है।

English Headline: International Monetary Fund (IMF) and Asian Development Bank Launch Joint $2 Billion Fund for Renewable Grid Expansion in South Asia.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशिया में नवीकरणीय ग्रिड विस्तार के लिए संयुक्त $2 बिलियन का कोष शुरू किया।
दक्षिण एशियाई देशों में स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को गति देने के लिए एक नया वित्तीय पैकेज जारी किया गया है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से अंतर-देशीय बिजली ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार हरित ऊर्जा (सौर एवं जलविद्युत) व्यापार को सुगम बनाने के लिए किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches Global Surveillance Network to Intercept Climate-Induced Respiratory Diseases.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु-प्रेरित श्वसन रोगों की निगरानी और रोकथाम के लिए वैश्विक निगरानी नेटवर्क की शुरुआत की।
वैश्विक तापमान में वृद्धि और चरम मौसम की घटनाओं के कारण श्वसन संबंधी बीमारियों के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने जिनेवा में एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह नेटवर्क दुनिया भर के स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण कर समय रहते चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Department of Information Technology Approves Establishment of Specialized Agritech Incubation Hubs in Purnea and Muzaffarpur.
हिन्दी अनुवाद: बिहार सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने पूर्णिया और मुजफ्फरपुर में विशेष एग्रीटेक इनक्यूबेशन हब स्थापित करने को मंजूरी दी।
राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को डिजिटल तकनीकों से जोड़ने के लिए बिहार सरकार ने एक नया कदम उठाया है। इन इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय कृषि-उद्यमियों (Agri-Entrepreneurs) और स्टार्टअप्स को ड्रोन-आधारित मैपिंग, स्मार्ट सिंचाई समाधान और कोल्ड-चेन प्रबंधन विकसित करने के लिए तकनीकी सहायता, मेंटरशिप और सीड फंड प्रदान किया जाएगा।

English Headline: Bihar State Disaster Management Authority (BSDMA) Deploys 'Dharani-III' Sensor Network along Kosi and Gandak River Embankments.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) ने कोसी और गंडक नदी के तटबंधों पर 'धरणी-III' सेंसर नेटवर्क तैनात किया।
उत्तर बिहार में मानसूनी बाढ़ और तटबंध कटाव के जोखिम को कम करने के लिए जल संसाधन विभाग के सहयोग से रिमोट सेंसर और उपग्रह-लिंक्ड निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है। यह नेटवर्क नदियों के जलस्तर और दबाव में होने वाले अप्रत्याशित परिवर्तनों की सूचना वास्तविक समय में नियंत्रण कक्ष को भेजेगा।

SPORTS NEWS

English Headline: India's Archery Squad Clinches Overall Championship Trophy at the Asian Grand Prix Stage 2 in Bangkok with Six Medals.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने बैंकॉक में आयोजित एशियन ग्रैंड प्रिक्स स्टेज 2 में छह पदकों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती।
बैंकॉक में आयोजित एशियाई प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारतीय तीरंदाजों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकर्व और कंपाउंड दोनों श्रेणियों में तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर रहा।

English Headline: International Olympic Committee (IOC) Formally Approves AI-Powered Real-Time Biomechanical Analysis Systems for Elite Track & Field Events.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने विशिष्ट (एलीट) ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं के लिए एआई-संचालित रीयल-टाइम बायोमैकेनिकल विश्लेषण प्रणालियों को औपचारिक मंजूरी दी।
अंपायरिंग और खेल प्रदर्शन मूल्यांकन को अधिक सटीक बनाने के उद्देश्य से आईओसी ने एक नया तकनीकी निर्देश लागू किया है। आगामी वैश्विक बहु-खेल आयोजनों में उच्च-सटीक कैमरों और एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग खिलाड़ियों के फाउल, तकनीक और लाइन उल्लंघनों का सटीक फैसला करने के लिए किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

राष्ट्रगान का सम्मान

किसी देश में एक बहुत धनी सेठ रहता था। एक रात उसके घर में एक चोर चोरी करने घुस आया। तिजोरी टूटने की आवाज़ सुनकर सेठ की आँख खुल गई। उसने देखा कि एक हट्टा-कट्टा चोर कीमती सामान समेट रहा है। सेठ समझ गया कि वह बलपूर्वक उसका सामना नहीं कर पाएगा, इसलिए उसने एक अनोखी युक्ति अपनाई।

उसने तुरंत अपने संगीत यंत्र पर देश का राष्ट्रगान बजा दिया।

राष्ट्रगान की धुन सुनते ही चोर ठिठक गया। अगले ही क्षण उसने चोरी का सामान नीचे रख दिया और सावधान की मुद्रा में सीधा खड़ा हो गया। उसके मन में अपराध अवश्य था, लेकिन अपने राष्ट्र के प्रति सम्मान उससे भी बड़ा था।

सेठ ने इसी अवसर का लाभ उठाया। उसने जल्दी से रस्सी लाकर चोर को बाँध दिया और पुलिस को बुला लिया।

कुछ दिनों बाद मामला अदालत पहुँचा। न्यायाधीश ने पूरी घटना ध्यान से सुनी। सेठ बड़े गर्व से अपनी चतुराई का वर्णन कर रहा था कि किस प्रकार उसने राष्ट्रगान की सहायता से चोर को पकड़ लिया।

सारी बात सुनने के बाद न्यायाधीश ने गंभीर स्वर में कहा, “चोरी करना निश्चित ही अपराध है और इसका दंड मिलेगा। लेकिन एक बात और भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब राष्ट्रगान बज रहा था, तब यह चोर सावधान की मुद्रा में खड़ा हो गया। परंतु तुम उसी समय उसे बाँधने में लगे रहे। राष्ट्रगान का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राष्ट्रीय सम्मान से बड़ा कोई निजी स्वार्थ नहीं हो सकता।”

न्यायालय में कुछ क्षणों के लिए गहरा मौन छा गया। सेठ को अपनी भूल का एहसास हो गया। उसने सिर झुकाकर स्वीकार किया कि धन की रक्षा से पहले राष्ट्र का सम्मान सर्वोपरि है।

उस दिन वहाँ उपस्थित सभी लोगों ने एक बात जीवनभर के लिए याद रखी—देश का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सही समय पर सही आचरण से प्रकट होता है।

प्रेरक संदेश : राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रचिह्न केवल प्रतीक नहीं हैं; वे हमारे इतिहास, स्वतंत्रता, बलिदान और राष्ट्रीय स्वाभिमान के जीवंत प्रतीक हैं। उनका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

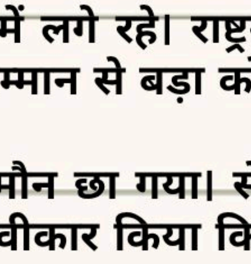

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विषय: निदानात्मक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण।

शिक्षक साथियों, जब हम बीमार होते हैं और डॉक्टर के पास जाते हैं, तो डॉक्टर सीधे दवा नहीं लिख देता। वह पहले हमारी जाँच करता है, खून की जाँच करवाता है और बीमारी का सही कारण (Diagnosis) पता लगाता है। जब बीमारी की सटीक वजह मालूम हो जाती है, तभी वह सही दवा (Remedy) देता है और मरीज ठीक होता है।

हमारी कक्षाओं में भी ठीक यही सिद्धांत लागू होता है:

1. निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic Test): यह एक ऐसी जाँच प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य बच्चे को नंबर देना या फेल करना बिल्कुल नहीं होता। इसका एकमात्र उद्देश्य यह पता लगाना होता है कि बच्चा कहाँ, क्यों और किस विशिष्ट बिंदु पर अटक रहा है। (उदाहरण के लिए: बच्चा गणित में जोड़ तो लेता है, लेकिन 'हासिल' का अर्थ नहीं समझ पाता)।
2. उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching): जब निदानात्मक परीक्षण से अधिगम अंतराल (Learning Gap) का सटीक कारण पता चल जाता है, तब शिक्षक अपनी सामान्य शिक्षण विधि में बदलाव करके उस विशेष कमी को दूर करने के लिए जो लक्षित शिक्षण देता है, उसे ही 'उपचारात्मक शिक्षण' कहते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और निपुण भारत (NIPUN Bharat) मिशन स्पष्ट कहते हैं कि यदि प्राथमिक स्तर पर बुनियादी दक्षताओं (FLN) का यह अंतराल समय रहते दूर न किया जाए, तो आगे चलकर बच्चा हर कक्षा में पिछड़ता चला जाता है।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी प्राथमिक कक्षा के दो बहुत ही व्यावहारिक और वास्तविक उदाहरणों से समझते हैं:

उदाहरण 1: भाषा (हिन्दी) में - 'मात्राओं की भूल'

- समस्या (असमंजस): कक्षा 3 की 'सोनम' अक्सर "दिन" को "दीन" और "पुल" को "पूल" लिख देती है।
- निदान (कारण खोजना): शिक्षक ने सोनम से अकेले में बात की और कुछ शब्द बुलवाए। शिक्षक ने पाया कि सोनम को 'इ' (छोटी इ) और 'ई' (बड़ी ई) की मात्राओं के ध्वनि-अन्तर (Phonetic difference) का ज्ञान नहीं है। वह उच्चारण के समय लगने वाले समय (ह्रस्व और दीर्घ) को नहीं पहचान पा रही है।
- उपचार (समाधान): शिक्षक ने सोनम को कोई सज़ा नहीं दी या लाल पेन से गोला नहीं लगाया। उन्होंने सोनम के साथ एक 'ध्वनि खेल' शुरू किया। शिक्षक ने कहा— "जब मैं बोलूँ 'दिन' (कम समय), तो एक बार ताली बजाना; जब बोलूँ 'दीन' (ज़्यादा समय), तो दो बार ताली बजाना।" तीन-चार दिनों के इस अभ्यास से सोनम का उच्चारण और मात्रा ज्ञान बिल्कुल स्पष्ट हो गया।

उदाहरण 2: गणित में - 'घटाव और हासिल/उधार'

- समस्या: कक्षा 4 का 'अजय' 50 - 27 का सवाल हल करते समय हमेशा उत्तर 37 या 30 लिख देता है।
- निदान: शिक्षक ने अजय का निदानात्मक परीक्षण किया और देखा कि जब भी ऊपर 'शून्य' (0) होता है, तो अजय समझ ही नहीं पाता कि 0 में से 7 कैसे घटाए। वह नीचे वाले बड़े अंक में से ऊपर वाले को घटा देता है। उसे 'दहाई लेने' (Re-grouping) की समझ नहीं है।
- उपचार: शिक्षक ने अजय को माचिस की तीलियाँ और बंडल (TLM) दिए। 5 दहाई (50 तीलियाँ) में से 1 दहाई (10 तीलियाँ) को खोलकर इकाई के घर में रखना सिखाया। जब अजय ने अपने हाथों से बंडल खोला, तो उसके दिमाग से भ्रम हमेशा के लिए मिट गया।

शिक्षक साथियों, उपचारात्मक शिक्षण को अपनी दिनचर्या में प्रभावी बनाने के लिए इन चार बातों का हमेशा ध्यान रखें:

- सहानुभूतिपूर्ण रवैया: जब आप किसी बच्चे का निदानात्मक परीक्षण कर रहे हों, तो उसे यह न महसूस होने दें कि उसकी 'परीक्षा' हो रही है। यदि बच्चा डरेगा, तो वह अपनी वास्तविक समस्या छुपा लेगा।
- समूह आधारित उपचार: अक्सर कक्षा के 4-5 बच्चों का लर्निंग गैप एक जैसा होता है। उन्हें एक छोटा समूह बनाकर एक साथ विशेष अभ्यास कराया जा सकता है।
- सामग्री में बदलाव: जिस टीएलएम या विधि से बच्चा पहली बार में नहीं सीख पाया, उपचारात्मक शिक्षण में उसी विधि को दोबारा न दोहराएं। टीएलएम या उदाहरण पूरी तरह बदल दें।
- सूक्ष्म कदम (Small Steps): कठिन अवधारणा को बहुत छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर सिखाएं।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि कोई भी बच्चा 'मंदबुद्धि' या 'कमज़ोर' नहीं होता; बस हर बच्चे का सीखने का रास्ता अलग होता है। एक कुशल शिक्षक के रूप में हमारी सफलता इस बात में नहीं है कि हमने कितने पाठ पूरे करवा दिए, बल्कि इस बात में है कि हमने कितने बच्चों के सीखने के अंतराल को समय रहते भर दिया। आज चिंतन कीजिएगा कि आपकी कक्षा में जो बच्चा पिछड़ रहा है, उसकी वास्तविक अड़चन कहाँ है? क्या कल आप उसका निदान करके एक नया रास्ता खोजेंगे?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

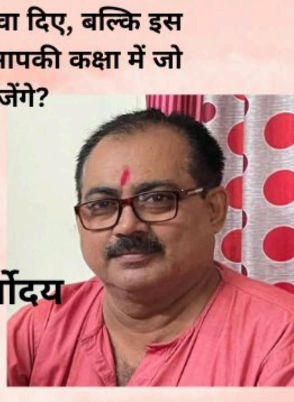

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : बांका, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

बांका: छोटानागपुर का पठारी सीमांत, चंदन नदी की घाटी और विशिष्ट स्थलाकृतिक भूगोल

भौगोलिक, प्रशासनिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से बांका केवल एक जिला नहीं, बल्कि बिहार के मैदानी भूगोल और झारखंड की पथरीली-पठारी भूमि का संधिकाल (Transition Zone) है। वर्ष 1991 में भागलपुर से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह जिला भागलपुर प्रमंडल का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी सीमाएं उत्तर में भागलपुर, पूर्व में झारखंड के गोड्डा, दक्षिण में झारखंड के दुमका व देवघर तथा पश्चिम में मुंगेर और जमुई जिलों को स्पर्श करती हैं। यह सीमांत अवस्थिति बांका को बिहार और झारखंड के बीच अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक व व्यापारिक आदान-प्रदान का मुख्य द्वार बनाती है।

इस जिले का संपूर्ण धरातल उत्तर के समतल मैदानी भू-भाग और दक्षिण के कटीले-पथरीली पठारी ढालों के बीच बँटा हुआ है। दक्षिण से उत्तर की ओर ढलान वाले इस धरातल को चंदन (Chandan), ओढ़नी, बिलसी और चीर जैसी नदियाँ सींचती हैं। इनमें 'चंदन नदी' बांका की मुख्य जीवनरेखा है, जो अपनी रेतीली घाटियों के लिए जानी जाती है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बांका की मिट्टी का बड़ा हिस्सा 'लाल मिट्टी', 'लैटराइट' और 'बलसुंदरी' का मिश्रण है। पठारी चट्टानों के अपरदन (Erosion) से बनी यह मिट्टी सूक्ष्म खनिजों से समृद्ध है, जो धान की खेती, दलहन और मक्का के उत्पादन के लिए स्थानीय वातावरण के अनुकूल है।

इस विशिष्ट भू-आकृति की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक पहचान जिले के बौंसी प्रखंड में स्थित मंदार पर्वत (Mandar Hill) है। लगभग 700 फीट ऊँचा यह ग्रेनाइट और नीस चट्टानों से बना एकल पर्वत (Inselberg) केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं, बल्कि पुरातात्विक और धार्मिक दृष्टि से वैश्विक धरोहर है। इसके पाद-प्रदेश में स्थित पापहारिणी पोखर (एक विशाल ऐतिहासिक सरोवर) और पहाड़ी की ढलानों पर बने प्राकृतिक जल-कुंड भू-जल पुनर्भरण और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र का मुख्य आधार हैं। इसके अतिरिक्त, बेलहर और कटोरिया प्रखंडों के घने जंगल (जैसे ओढ़नी डैम का जलग्रहण क्षेत्र) क्षेत्र की जैव-विविधता और वन्य जीवन को सुरक्षित आश्रय प्रदान करते हैं।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय शुष्क मानसूनी है। पठारी निकटता के कारण गर्मियों में तापमान काफी बढ़ जाता है और सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इस भूगोल का सीधा प्रभाव स्थानीय कृषि आर्थिकी पर पड़ता है; जहाँ मैदानी प्रखंडों में 'कटरनी धान' (अपनी बेजोड़ खुशबू के लिए प्रसिद्ध) की रिकॉर्ड पैदावार होती है, वहीं दक्षिणी कटोरिया और चांदन प्रखंडों में सूखा-रोधी फसलें (जैसे मक्का, अरहर और मड़ुआ) उगाई जाती हैं। इसके साथ ही, ओढ़नी डैम जैसी बड़ी जल-संचयन परियोजनाओं ने हाल के वर्षों में सिंचाई और मत्स्य पालन के नए द्वार खोले हैं। परंतु, पठारी ढालों के कारण जल-जमाव की कमी, मृदा अपरदन और मानसून की अनिश्चितता यहाँ के किसानों के सामने हमेशा एक बड़ी भौगोलिक चुनौती बनकर खड़ी रहती है।

चंदन नदी के रेतीले कछारों, मंदार पर्वत के विशाल शिलाखंडों और ओढ़नी डैम के नीले जल का यह प्रामाणिक भौगोलिक विश्लेषण बिहार के पठारी-सीमांत भूगोल और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन को समझने के लिए एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org